मेरे मन बस गए सीताराम

सीताराम सीताराम सीताराम,
मेरे मन बस गये सीताराम,
राधेश्याम राधेश्याम राधेश्याम,
मेरे मन बस गये राधेश्याम.....

राजा दशरथ के चार पुत्र है,
भरत शत्रुघ्न लक्ष्मण राम,
मेरे मन बस गये सीताराम,
सीताराम सीताराम सीताराम,
मेरे मन बस गये सीताराम,
मेरे मन बस गये राधेश्याम.....

बाबा नन्द के दो ही पुत्र है,
छोटे कृष्ण बड़े बलराम,
मेरे मन बस गये राधेश्याम,
सीताराम सीताराम सीताराम,
मेरे मन बस गये सीताराम,
मेरे मन बस गये राधेश्याम.....

कान्हा के हाथ में मुरलिया सोहे,
राम के हाथ में धनुष और बाण,
मेरे मन बस गये सीताराम,
सीताराम सीताराम सीताराम,
मेरे मन बस गये सीताराम,
मेरे मन बस गये राधेश्याम.....

मथुरा में बाजे मधुर मुरलिया,
लंका में चले है धनुष और बाण,
मेरे मन बस गये सीताराम,
सीताराम सीताराम सीताराम,
मेरे मन बस गये सीताराम,
मेरे मन बस गये राधेश्याम.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27070/title/mere-man-bas-gaye-sitaram

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |